आरती श्री शान्तिनाथ भगवान की

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी, प्रभु जय शांतिनाथ स्वामी।
मन वच तन से बन्दूं-2, जय अन्तरयामी ॥१॥

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी।

गर्भ जन्म जब हुआ आपका, तीन लोक हर्षे,
स्वामी तीन लोक हर्षे।
इन्द्र कियो अभिषेक शिखर पर-2, शिव मग के स्वामी ॥२॥

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी।

पंचम चक्री भये आप ही षट् खण्ड के स्वामी,
स्वामी षट्खण्ड के स्वामी।
राज्य वैभव को भोगे-2, कामदेव नामी ॥३॥

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी।

अतुल विभव को तृणवत त्यागे, हुवे कर्म नाशी,
स्वामी हुवे कर्म नाशी।
भये आप तीर्थंकर-2, शिवरमणी स्वामी ॥४॥

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी।

वीरसिन्धु को नमस्कार कर, तब आरती कँरू थारी,
स्वामी आरती कँरू थारी।
"सूरज" शिवपुर पावो-2, महा सौख्य धामी ॥५॥

ॐ जय शान्तिनाथ स्वामी।